संकलित परीक्षा-II (2013-2014)

CLASS-X

विषय : हिन्दी 'ब'

निर्धारित समय : 3½ घंटे | पूर्णांक : 90

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र में **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

(खण्ड-क)

(अपठित बोध)

प्र1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :- (5x1=5)

सिकन्दर की भेंट एक सन्त से हुई। सन्त एक खुरदरी घास की चटाई पर बैठा धूप सेंक रहा था। सिकन्दर उसके सामने खड़ा हो गया और सोचने लगा कि सन्त उसे प्रणाम करेगा, पर उसने ऐसा नहीं किया। इसके बदले उसने कहा, "तुम एक ओर को खड़े हो जाओ, धूप को मुझ तक आने दो।"

सिकन्दर ने गुस्से पूछा, "जानते हो मैं कौन हूँ?"

सन्त ने कोई जवाब नहीं दिया।

"मैं सम्राट् हूँ सिकन्दर महान्।" उसने कहा।

"सम्राट्! तुम! नहीं, तुम नहीं हो", सन्त ने कहा।

"हाँ, मैं हूँ", सिकन्दर बोला, "मैंने आधी दुनिया को जीत लिया है।"

इस पर सन्त ने शान्तिपूर्वक कहा, "सम्राट् तुम्हारी तरह बेचैन होकर नहीं घूमा करते। जाओ, लोगों के दिलों पर प्यार से विजय पाओ।"

सिकन्दर ने प्रणाम किया और चुपचाप चला गया।

(i) संत ने सिकन्दर को एक ओर को खड़ा हो जाने के लिए क्यों कहा?

(क) वह भक्त नहीं था। (ख) वह धूप को आने से रोक रहा था।

(ग) उसने अनुमति नहीं ली थी। (घ) वह बेचैन घूम रहा था।

(ii) सम्राट् प्रायः क्या नहीं किया करते?

(क) राज्य में घूमना। (ख) संतों के पास जाना।

(ग) बेचैन घूमना। (घ) संतों को प्रणाम करना।

(iii) लोगों के दिलों को जीता जा सकता है -

(क) तलवार से (ख) प्यार से

(ग) शक्ति से (घ) धन से

(iv) सम्राट् के लिए कौन-सा शब्द ठीक नहीं है?

(क) शासक (ख) राजा

(ग) संत (घ) विजेता

(v) 'प्यार से विजय पाना' से तात्पर्य है -

(क) संबंध बनाना (ख) संबंधों को निभाना

(ग) दिल जीतना (घ) दुनिया को जीतना

प्र2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए - (5)

मौसम के मिज़ाज़ को मन मुताबिक बदलना अभी तक संभव नहीं हो सका है। लेकिन कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि लेज़र की मदद से बादलों को सुखाकर वर्षा को रोका जा सकता है।

वे इस मुद्दे पर विचार करने के लिए अगले महीने इकट्ठा होने वाले हैं। स्विस शोधकर्त्ता प्रयोगशाला परीक्षण में बादलों के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए तकनीक का सफलतापूर्वक इस्तेमाल कर चुके हैं। सैद्धांतिक रूप से बिना वर्षा वाले या किसी सूखाग्रस्त इलाके में वर्षा कराना या किसी विशेष अवसर पर किसी खास क्षेत्र से वर्षा को दूर कर देना संभव है। इस तकनीक का उपयोग आकाशीय बिजली को इमारत वाले इलाकों से दूर करने में भी किया गया है।

वर्ष 2008 में बीजिंग ओलंपिक के उद्घाटन समारोह को संभावित बारिश से बचाने के लिए वैज्ञानिकों ने आसमान में रसायनों का छिड़काव कर बादलों को हवा कर दिया था।

(i) बीजिंग ओलंपिक का आयोजन किस वर्ष किया गया था?

(क) 2005 (ख) 2008

(ग) 2006 (घ) 2007

(ii) वैज्ञानिकों के अनुसार किसकी मदद से बादलों को सुखाकर वर्षा को रोका जा सकता है?

(क) लेज़र से (ख) विकिरण से

(ग) बिजली से (घ) इलैक्ट्रॉन से

(iii) बीजिंग में किसकी सहायता से बादलों को हवा कर दिया था?

(क) पानी से (ख) रसायन से

(ग) परमाणु विकिरण से (घ) विस्फोट से

(iv) इस तकनीक का प्रयोग आकाशीय बिजली को किन इलाकों से दूर रखने में भी किया गया है?

(क) रेगिस्तान (ख) मैदानी इलाके

(ग) भूकंप वाले इलाके (घ) इमारत वाले इलाके

(v) किस देश के शोधकर्त्ता प्रयोगशाला परीक्षण में बादलों के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए तकनीक का सफलतापूर्वक इस्तेमाल कर चुके हैं?

(क) स्विस शोधकर्त्ता (ख) अमेरिकी शोधकर्त्ता

(ग) ब्रिटिश शोधकर्त्ता (घ) जापानी शोधकर्त्ता

प्र3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए - (5x1=5)

मैंने छुटपन में छिपकर पैसे बोए थे,
सोचा था, पैसों के प्यारे पेड़ उगेंगे,
रुपयों की कलदार, मधुर फसल खनकेंगीं,
और फूल-फलकर, मैं मोटा सेठ बनूँगा।

पर बंजर धरती में एक न अंकुर फूटा,
बंध्या मिट्टी ने न एक भी पैसा उगला!
सपने जाने कहाँ मिट, कब धूल हो गए!
मैं हताश हो, बाट जोहता रहा दिनों तक!
बाल-कल्पना के अपलक पाँवड़े बिछाकर!
मैं अबोध था, मैंने गलत बीज बोए थे,
ममता को रोपा था, तृष्णा को सींचा था!

(i) कवि ने धनवान सेठ के लिए किस विशेषण का प्रयोग किया है?

(क) मालदार (ख) अमीर
(ग) मोटा (घ) लम्बा

(ii) उपर्युक्त काव्यांश में 'छुटपन' शब्द से क्या आशय है?

(क) बचपन (ख) किशोरावस्था
(ग) अधेड़ अवस्था (घ) युवावस्था

(iii) कवि अपने छुटपन में पैसे बोकर क्या इच्छा पूरी करना चाहता था?

(क) अमरता की (ख) बलवान होने की
(ग) धनवान होने की (घ) राजा होने की

(iv) धरती से पैसे न उगने पर कवि क्या सोचने लगा?

(क) हताश हो गया (ख) रोने लगा
(ग) खुश हो गया (घ) क्रोधित हो गया

(v) 'छुटपन' में पैसे बोने की घटना को क्या कहेंगे?

(क) बचपन की अबोधता (ख) धन से मोह
(ग) बालक की खोज (घ) तृष्णा की अधिकता

प्र4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए - (5x1=5)

दूर-दूर तक फैली धरती देखो कहे पुकार के,
ओ वसुधा के रहने वाले! रहो सदा तुम प्यार से।
नाम अलग हैं देश-देश के, पर वसुंधरा एक है,
फल-फूलों के रूप अलग पर भूमि उर्वरा एक है।
धरा बाँटकर धरा न बाँटो, दूर रहो संसार से,
कभी न सोचो तुम अनाथ, एकाकी या निष्प्राण रे,
लहर-लहर देती संदेश यह, दूर क्षितिज के पार से।
धर्म नहीं वह जो कि डाल दे, दिल में एक दरार रे!
करो न दूषित आँगन मन का नफ़रत की दीवार से ॥
सीमाओं को लाँघ न कुचलो, स्वतंत्रता का शीश रे,
बमबारी की स्वरलिपि में मत लिखो शान्ति का गीत रे।
बँध न सकेगी लय गीतों की ऐसे स्वर विस्तार से ॥

(i) धरती पुकार कर क्या कह रही है?

(क) नफ़रत की दीवार खड़ी करो। (ख) मेरी बात सुन लिया करो।

(ग) सबकी ख़बर जान लिया करो। (घ) सदा प्यार से रहो।

(ii) 'हृदय न बाँटो' का अर्थ है -

(क) धरती का बँटवारा मत करो। (ख) आपसी भेदभाव मत फैलाओ।

(ग) गाँवों को अलग न समझो। (घ) चुप बैठे रहो।

(iii) सच्चे धर्म की पहचान यह है कि वह -

(क) आदमी को सद्व्यवहार सिखाता है। (ख) आदमी को पूजा-पाठ सिखाता है।

(ग) आदमी को विद्वान बनाता है। (घ) दिलों में नफ़रत का बीज बोता है।

(iv) काव्यांश का मूल संदेश है -

(क) विश्व-बंधुत्व का भाव फैलाना। (ख) देश-प्रेम का भाव जगाना।

(ग) प्रकृति-प्रेम का संदेश देना। (घ) परिवारजनों में आपसी प्रेम जगाना।

(v) मन का आँगन दूषित कब हो जाता है?

(क) जब सबके लिए प्रेम जागृत हो जाता है। (ख) जब उसमें नफ़रत की दीवार उठ जाती है।

(ग) जब मानव कल्याण का भाव जाग उठता है। (घ) जब मनुष्य धर्म के रास्ते पर चल पड़ता है।

(खण्ड-ख)

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्र5. (क) निम्नांकित में रेखांकित के पदबंध का भेद लिखिए - (4)

(i) <u>पिंजरे में रहने वाला</u> तोता उड़ गया।

(ii) नीचे लिखे वाक्य में क्रिया पदबंध छाँटिए -

रमेश सदा कक्षा में शरारत करता रहता है।

(ख) (i) समस्तपद बनाइए और भेद लिखिए -

पाप से मुक्त

(i) समास - विग्रह कीजिए और भेद लिखिए -

महात्मा

प्र6. (क) 'आस्तीन का साँप' का अर्थ लिखिए। (4)

(ख) "नौ दो ग्यारह होना" को वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(ग) उचित मुहावरा / लोकोक्ति से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

अध्यापिका के कक्षा से बाहर जाते ही छात्रों ने ---------- उठा लिया।

(घ) लोकोक्ति छाँटकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

उँगली उठाना, खोदा पहाड़ निकली चुहिया, लोहे के चने चबाना

प्र7. (क) रेखांकित पदों का व्याकरणिक परिचय दीजिए :- (4)

(i) छत के ऊपर बंदर बैठा है।

(ii) भारतीय संस्कृति महान है।

(iii) वह तेज़ दौड़ रहा था।

(ख) 'मतानुसार' में संधि-विच्छेद कीजिए।

प्र8. (क) मिश्र वाक्य में बदलिए - (4)

वह सब्ज़ी लेने बाज़ार गया है।

(ख) संयुक्त वाक्य में बदलिए -

बालक रो-रोकर चुप हो गया।

(ग) रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए -

जो काली गाय खेत में चर रही थी वह बलराम की थी।

(घ) निम्न शब्दों की संधि कीजिए -

परि + अंत, यमुना + उर्मि

प्र9. (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए :- (4)

(i) हमारे पाठ्यक्रम के दो भाग हुए हैं।

(ii) ये पंक्तियाँ 'पंचवटी' से ली हैं।

(iii) आप यहाँ मत बैठो।

(ख) संधि कीजिए -

(i) जन्म + अंतर =

(ii) महा + उदय =

(खण्ड-ग)

(पाठ्य-पुस्तक)

प्र10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए - (5x1=5)

सोहत ओढ़ैं पीतु पटु स्याम, सलौनैं गात।
मनौ नीलमनि-सैल पर आतपु पर्‌यौ प्रभात॥

(i) दोहे में वर्णन किया गया है :

(क) विष्णु के रूप का (ख) राम के सलोनेपन का

(ग) कृष्ण के सौंदर्य का (घ) सुबह की किरणों का

(ii) कृष्ण के तन पर सुशोभित हैं :

(क) नीलम (ख) पीले वस्त्र

(ग) सुबह की धूप (घ) सलोनापन

(iii) 'नीलमणि' पर्वत के चमकने का कारण है -

(क) कृष्ण की निकटता (ख) सुबह का प्रकाश

(ग) चाँदनी की छटा (घ) सूर्य की किरणें

(iv) कृष्ण के साँवले रंग की तुलना की गई है :

(क) नीलमणि पर्वत से (ख) गोवर्धन पर्वत से

(ग) घनश्याम से (घ) साँवले शरीर से

(v) 'शरीर' का पर्याय है :

(क) अंक (ख) गात

(ग) पटु (घ) सैल

अथवा

मधुर-मधुर मेरे दीपक जल!
युग-युग, प्रतिदिन, प्रतिक्षण, प्रतिपल,
प्रियतम का पथ आलोकित कर!
सौरभ फैला विपुल धूप बन,
मृदुल मोम-सा घुल रे मृदु तन;
दे प्रकाश का सिंधु अपरिमित,
तेरे जीवन का अणु गल-गल!
पुलक-पुलक मेरे दीपक जल!

(i) कवयित्री किसका पथ आलोकित करना चाहती हैं?

(क) अपने प्रियतम का (ख) अपने परिवार का

(ग) समाज का (घ) अपने राष्ट्र का

(ii) कवयित्री किस प्रकार पथ आलोकित करती हैं?

(क) रोशनी का समुचित प्रबंध कर (ख) स्वयं प्रेम वेदना में दीपक के समान जलकर

(ग) समाज को अपने अनुरूप ढाल कर (घ) बहुत से दीपक जलाकर

(iii) कवयित्री किस प्रकार दीपक से सौरभ फैलाने के लिए कह रही हैं?

(क) प्रकाश बनकर (ख) सूर्य बनकर

(ग) धूप बनकर (घ) वायु बनकर

(iv) कवयित्री किस दीपक से पुलक-पुलक कर जलने की बात कह रही हैं?

(क) मनरूपी दीपक से (ख) आरती के दीपक से

(ग) प्रभुप्रेमी दीपक से (घ) आस्थारूपी दीपक से

(v) 'प्रकाश का सिंधु' में निहित अलंकार है -

(क) रूपक (ख) श्लेष

(ग) उत्प्रेक्षा (घ) अतिशयोक्ति

प्र11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (3x2=6)

(क) इंस्पेक्टर ओचुमेलॉव के व्यवहार में ख्यूक्रिन के प्रति सहानुभूति क्यों नहीं है? 'गिरगिट' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ख) 'टी सेरेमनी' में कितने लोगों को प्रवेश दिया जाता है, इसका क्या कारण है?

(ग) नूह का वास्तविक नाम क्या था, वे जीवनभर किस बात से दुखी रहे? 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

प्र12. वज़ीर अली कौन था? उसके शासन की विशेषता बताते हुए बताइए कि उसने अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ाई कैसे लड़ी?

अथवा

'गिरगिट' पाठ के आधार पर ओचुमेलॉव की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए? (5)

प्र13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (5)

ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफ़ी कुछ बदल दिया है। वर्सोवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है।

(क) दो शहरों के बीच की दूरी ने संसार को काफी कुछ कैसे बदल दिया है?

(ख) वर्सोवा में पहले क्या था और अब यहाँ क्या हो गया है?

(ग) बस्ती बनने का क्या परिणाम हुआ?

अथवा

पहले दस-पंद्रह मिनट तो मैं उलझन में पड़ा। फिर देखा, दिमाग की रफ़्तार धीरे-धीरे धीमी पड़ती जा रही है। थोड़ी देर में बिलकुल बंद भी हो गई। मुझे लगा, मानो अनंतकाल में मैं जी रहा हूँ। यहाँ तक कि सन्नाटा भी मुझे सुनाई देने लगा।

अकसर हम या तो गुज़रे हुए दिनों की खट्टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्यकाल में। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने तो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था।

जीना किसे कहते हैं, उस दिन मालूम हुआ।
झेन परंपरा की यह बड़ी देन मिली है जापानियों को!

(क) भूतकाल और भविष्यकाल को लेखक ने क्या है और क्यों?

(ख) लेखक के अनुसार सत्य क्या है और कितना विस्तृत है?

(ग) पहले दस-पंद्रह मिनट लेखक को क्या लगा?

प्र14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (3x3=9)

(क) जीवन में हानि होने पर कवि कैसी विचारधारा के आकांक्षी हैं? 'आत्मत्राण' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) बिहारी द्वारा किए गए ग्रीष्म ऋतु के वर्णन को अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) एक सैनिक का जीवन अन्य लोगों के जीवन से किस प्रकार भिन्न और श्रेष्ठ होता है? "कर चले हम फिदा" कविता के आधार पर बताइए।

(घ) कौन-कौन आस्था के दीपक से ज्वाला के कण माँग रहे हैं? पठित कविता के आधार पर लिखिए।

प्र15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए - (2x3=6)

(क) टोपी शुक्ला ने ऐसा क्यों कहा - "तोरी दादी की जगह हमरी दादी मर गई होतीं तो ठीक भया होता।"

(ख) लेखक और उसके साथियों को कब लगता था कि वे बहुत महत्वपूर्ण आदमी हैं? 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ग) इफ़्फ़न की दादी को अपने पीहर और ससुराल में क्या अंतर दिखाई देता था?

प्र16. 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर बताइए कि ऐसी क्या बात थी कि लेखक और उसके साथियों को किताबों-कापियों की गंध से ही नहीं, बाहर के गेट से दस-पंद्रह गज दूर स्कूल के कमरों तक रास्ते के दोनों ओर लगे झाड़ की गंध भी उदास कर दिया करती थी? उनकी इस उदासी से आपको क्या प्रेरणा मिलती है? (4)

(खण्ड-घ)

(लेखन)

प्र17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :- (5)

(क) स्वास्थ्य - एक वरदान

- स्वस्थ मस्तिष्क - स्वस्थ विचार
- अस्वस्थ समाज
- क्या करें

(ख) कर भला तो हो भला

- उदार दृष्टि
- आज का मानव स्वार्थी
- सोच में बदलाव ज़रूरी

(ग) वैज्ञानिक आविष्कार

- वैज्ञानिक प्रगति
- वैज्ञानिक आविष्कार
- लाभ-हानि

प्र18. आप शांति नगर के निवासी हैं। आपके नगर में अनाधिकृत मकान बनाए जा रहे हैं। इसकी रोकथाम के लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

छात्रावास में रहते हुए आपसे खिड़की का काँच टूट गया। प्रधानाचार्य जी से जुर्माना माफी की प्रार्थना करते हुए पत्र लिखिए।